उपलब्धि **पहली बार 10400 करोड़ का हुआ निर्यात, पिछले साल 8990 करोड़ हुआ था निर्यात**

जूते, कपड़ों के निर्यात से शहर ने छुआ शिखर

खास खबर

अमित अवस्थी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा, निर्यात में 17 प्रतिशत की हुई वृद्धि

चमड़ा और इससे बने उत्पादों की बढ़ी मांग, 5720 करोड़ रुपये का अकेले हुआ निर्यात

कानपुर। शहर के बने जूते, बेल्ट, पर्स, कपड़े, रसोईघर के मसाले, दवाओं के उत्पाद, रत्न व आभूषण देश ही नहीं दुनिया भर में चमक बिखेर रहे हैं। इनके दम पर शहर ने निर्यात के क्षेत्र में शिखर छू लिया है। पहली बार कानपुर से 10400 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले साल 8990 करोड़ का निर्यात हुआ था। यह खुलासा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ है। कुल निर्यात में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी चमड़े की है, जिससे 5720 करोड़ का निर्यात हुआ। पिछले साल 4200 करोड़ का निर्यात हुआ था।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कानपुर के उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है। इसमें चमड़े की खाल, चमड़े के जूते, शू अपर, चमड़े के परिधान, सैडलरी, चमड़े की बेल्ट, सेफ्टी शूज, पीयू सिंथेटिक, सोल और अपर शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

पिछले साल 225 करोड़ की बेल्ट का निर्यात हुआ था। इस बार 300 करोड़ का निर्यात हुआ है। चमड़े की खाल का निर्यात 658 करोड़ से बढ़कर 745 करोड़ हो गया। टेक्सटाइल में भी अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। पिछले साल इस श्रेणी में 265 करोड़ का निर्यात हुआ था। इस वर्ष 296 करोड़ का निर्यात हुआ है। चमड़े और चमड़े के उत्पादों के अलावा रसोईघर के अलग-अलग मसाले, विद्युत मशीनरी और उपकरण, रत्न और आभूषण, फार्मास्युटिकल उत्पाद, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, कपड़ा और परिधान, कृषि उत्पाद का निर्यात हुआ।

पिछले वर्षों के निर्यात आंकड़े

2021-2022	9509 करोड़
2022-2023	8995 करोड़
2023-2024	8990 करोड़
2024-2025	10400 करोड़

मुरादाबाद को पीछे छोड़ा

कानपुर। कानपुर ने मुरादाबाद को पीछे छोड़कर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। 94272 करोड़ के निर्यात के साथ गौतमबुद्धनगर पहले स्थान पर है, जबकि 14948 करोड़ निर्यात के साथ गाजियाबाद दूसरे और 10400 करोड़ के निर्यात आंकड़ों के साथ कानपुर तीसरे स्थान पर है। (ब्यूरो)

कानपुर ने निर्यात में लंबी छलांग लगाई है। उम्मीद थी कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। वैसा ही हुआ है। अब सैडलरी का निर्यात बढ़ने लगा है। यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, यूएस में इसकी मांग बढ़ी है। **-आलोक श्रीवास्तव, निदेशक, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन फियो**

इन देशों में मिली बढ़तः केन्या में 132.44 प्रतिशत, तंजानिया रिपब्लिक में 87.2 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 74.16 प्रतिशत, यूएई में 33.65 प्रतिशत, अमेरिका में 27.31 प्रतिशत, इटली में 11.4 प्रतिशत, नीदरलैंड में 6.14 प्रतिशत, यूके में 6.43 प्रतिशत, चाइना रिपब्लिक में 3.24 प्रतिशत, सिंगापुर में 3.03 प्रतिशत, सऊदी अरब में 2.56 प्रतिशत की ग्रोथ रही। नार्वे, बेल्जियम, इंडोनेशिया, मलयेशिया, ओमान, चिली, मैक्सिको, पोलैंड, दक्षिण अफ्रीका को निर्यात बढ़ा है।